B-II
L-15
Indian Geography

मृदा

Q1- भारत की मृदा के प्रकारों का विवरण दें व मृदा ह्रास की समस्या का आकलन करें?

Q2- भारत में काली / रेगुर मिट्टी / मृदा का वितरण समझाइए।

Q3- भारत में भू-क्षरण व मृदा ह्रास की चुनौतियाँ व उसका समाधान बताएँ।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

परिभाषा → पृथ्वी की सतह का ऊपरी अपक्षित भाग / अंश / परत, जिसमें जीवन सम्भव हो।

प्रक्रिया
- चट्टान
  - ↓
  - अपक्षय
  - अपरदन
  - निक्षेपण
- जीवांश

Scanned by CamScanner

मृदा निर्माण में प्रमुख कारक →

1. जलवायु →

- उष्ण आर्द्र
- उष्ण शुष्क
- बर्फीला
- ठण्डा

→ ताप में अंतर → शैलों का अपक्षय

→ जल की उपलब्धता में अंतर

मृदा निर्माण की प्राथमिक प्रक्रिया जलवायु द्वारा निर्धारित की जाती है, जलवायु की भिन्नता अपक्षय का प्रकार (यांत्रिक व रासायनिक) व अपक्षय की दर (तीव्र या मंद) को निर्धारित करती है। ऐसा देखा गया कि समान जलवायु के क्षेत्रों में मृदा भी अकसर समान रूप ले लेती है। उदाहरण- विश्व के सभी मरुस्थलों में उष्ण व शुष्क अवस्थाओं के चलते बलुआ मृदा की प्रधानता देखी जाती है।

2. पैतृक पदार्थ →

मृदा चट्टानों के अपरदन से निर्मित होती है।

↓

रंग, संयोजन, गठन, पारगम्यता, उर्वरता

Scanned by CamScanner

3. उच्चावच / ढ़ाल →

मृदा निर्माण एक धीमी प्रक्रिया है इसके चलते एक निश्चित जलवायु प्रदेश में मृदा निर्माण की प्रक्रिया व गति उस क्षेत्र के उच्चावच व ढलान द्वारा प्रभावित होती है। तीव्र ढाल वाली सतहों पर मृदा का निर्माण अच्छे से नहीं होता और यहाँ उथली अपरिपक्व व कंकाली मृदा बनती है जो आसानी से अपरिदित भी हो जाती है।

मैदानी व कम ढ़ाल के क्षेत्र मृदा निर्माण हेतु उत्तम क्षेत्र माने जाते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

4. जैविक कारक →

मिट्टी / धूल को मृदा बनाने हेतु अनिवार्य है, जैविक पदार्थ / जीवांश मृत जीवों व पादपों के अपघटन द्वारा निर्मित होते हैं।

5. जैविक घटक →

पादप व जीव भी अपक्षय का कारक होते हैं।
↓
जड़ें चट्टान को तोड़ती हैं

Scanned by CamScanner

6. समय →

मृदा निर्माण प्रक्रिया मंद गति व कई चरणों में होती है। अनेक प्रक्रियाओं के क्रियान्वयन द्वारा एक परिपक्व मृदा परिच्छेदिका का निर्माण होता है।

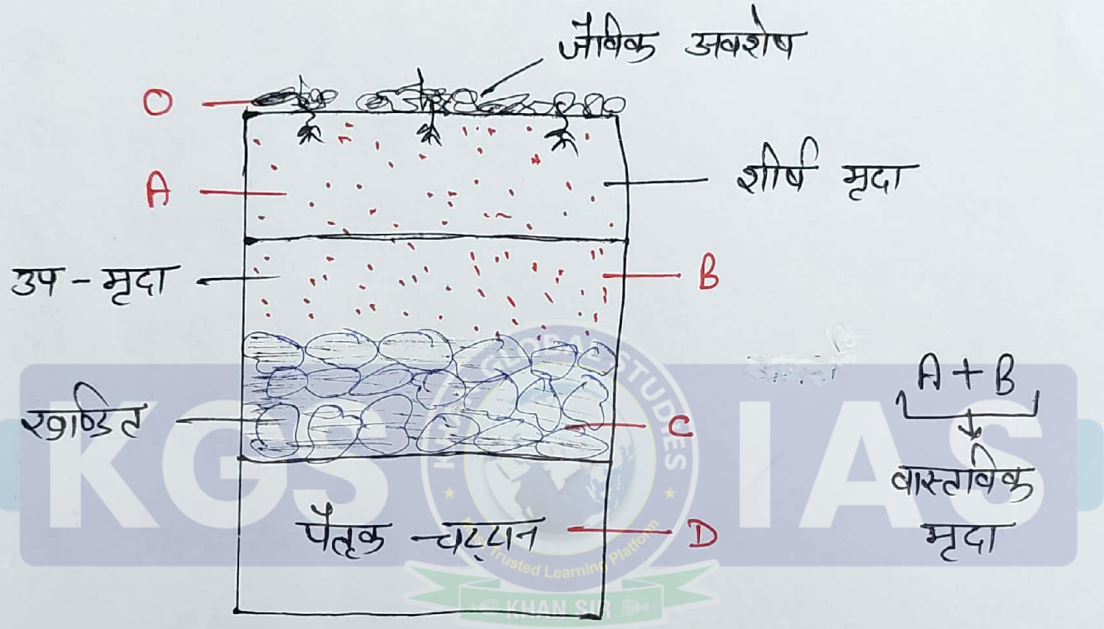

आदर्श परतदार मृदा संरचना को 'मृदा परिच्छेदिका' कहते हैं।

↓
परिपक्व मृदा
↓
स्तरों का निर्माण सम्पन्न

Scanned by CamScanner

उत्पत्ति, रंग, संयोजन व अवस्थिति के आधार पर ICAR ने भारत की व्यापक मृदाओं को 8 प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत किया है—

1. जलोढ़ मृदा
2. काली मृदा
3. लाल व पीली मृदा
4. लैटेराइट मृदा
5. शुष्क व मरूस्थलीय मृदा
6. लवणीय व क्षारीय मृदा
7. पिटमयी व दलदली मृदा
8. पर्वतीय मृदा

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner